Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP,
Ludhiana, Shimla,
Bihar, Jammu, Jaipur
Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9041488440
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

Sun - 19 Jul - 2026 | Year - 01 | Issue - 104 | Page - 01 | Rs. - 5 | www.azadvaani.com

पंजाब में धान की सीधी बिजाई का रकबा 4 लाख एकड़ पार, 36% बढ़ोतरी

चंडीगढ़, 19 जुलाई:पंजाब में भूजल संरक्षण की दिशा में धान की सीधी बिजाई (डीएसआर) तकनीक को किसानों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। खरीफ सीजन 2026 में राज्य में 4,00,433.26 एकड़ रकबा डीएसआर के तहत दर्ज किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि यह हाल के वर्षों में डीएसआर तकनीक अपनाने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है और इससे भूजल संरक्षण के प्रयासों को नई मजबूती मिली है।

मंत्री ने बताया कि इस वर्ष 31,478 पंजीकृत किसानों ने डीएसआर तकनीक से धान की बुवाई की है। वर्ष 2025 में यह रकबा 2.94 लाख एकड़ था, जबकि इस बार यह बढ़कर 4 लाख एकड़ से अधिक हो गया। राज्य सरकार डीएसआर अपनाने वाले किसानों को 1,500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। इसके तहत किसानों को लगभग 61 करोड़ रुपये वितरित किए जाने का अनुमान है।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि पिछले वर्ष डीएसआर के तहत लगभग 16 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि इस बार यह वृद्धि दोगुनी होकर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह दर्शाता है कि किसान अब पारंपरिक धान रोपाई की तुलना में डीएसआर को एक टिकाऊ और वैज्ञानिक विकल्प के रूप में अपना रहे हैं। उन्होंने बताया कि डीएसआर तकनीक से प्रति एकड़ 15 से 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, जिससे तेजी से गिर रहे भूजल स्तर को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। उन्होंने इसे भूजल संकट से निपटने के लिए किसानों द्वारा उठाया गया सबसे प्रभावी कदम बताया।

जिलावार प्रदर्शन की बात करें तो फाजिल्का जिला सबसे आगे रहा, जहां 12,063 किसानों ने 1,55,422.77 एकड़ क्षेत्र में डीएसआर तकनीक अपनाई। इसके बाद श्री मुक्तसर साहिब दूसरे स्थान पर रहा, जहां 7,345 किसानों ने 1,06,038.81 एकड़ में सीधी बिजाई की। फिरोजपुर 38,088.59 एकड़ और 1,929 किसानों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। बठिंडा और संगरूर भी डीएसआर अपनाने वाले शीर्ष पांच जिलों में शामिल रहे।

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार डीएसआर तकनीक का दायरा लगातार बढ़ाने के लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और क्षेत्रीय स्तर पर हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। सरकार का उद्देश्य आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक किसानों को इस जल-संरक्षण तकनीक से जोड़ना है।

उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को डीएसआर के तहत बोए गए रकबे का तत्काल सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पात्र किसानों को बिना किसी देरी के 1,500 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा सके। खुड्डियां ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता देने की योजना नहीं, बल्कि पंजाब में भूजल, जल संसाधनों और पर्यावरण संरक्षण की स्थायी संस्कृति विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

अगस्त से पंजाब में मुफ्त तीर्थ यात्रा का विस्तार, खाटू श्याम, हरिद्वार और वृंदावन भी शामिल

तलवाड़ा (होशियारपुर), 19 जुलाई: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तलवाड़ा में आयोजित 'एक शाम भगवान शिव के नाम' भजन संध्या में पंजाब सरकार की मुफ्त तीर्थ यात्रा योजना के विस्तार की घोषणा की। अगस्त से योजना के तहत खाटू श्याम-सालासर, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन के लिए भी निशुल्क यात्राएं शुरू होंगी। इन नए रूटों के लिए अगस्त में पंजीकरण शुरू होगा और सरकार करीब 1.5 लाख श्रद्धालुओं को लाभ देने की तैयारी कर रही है।

केजरीवाल ने कहा कि सरकार एसी बस, ठहरने और भोजन सहित पूरा खर्च वहन करेगी। उन्होंने दावा किया कि ईमानदार शासन के कारण ही मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा और महिलाओं को वित्तीय सहायता जैसी योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की जा रही हैं।

अगस्त से पंजाब की मुफ्त तीर्थ यात्रा योजना का विस्तार

तलवाड़ा (होशियारपुर), 19 जुलाई: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तलवाड़ा में आयोजित 'एक शाम भगवान शिव के नाम' भजन संध्या में पंजाब सरकार की मुफ्त तीर्थ यात्रा योजना के विस्तार की घोषणा की।

अगस्त से श्रद्धालुओं को खाटू श्याम-सालासर, हरिद्वार-ऋषिकेश और मथुरा-वृंदावन की निशुल्क यात्रा कराई जाएगी। इन नए रूटों के लिए अगस्त में पंजीकरण शुरू होगा और सरकार करीब 1.5 लाख श्रद्धालुओं को लाभ देने की तैयारी कर रही है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार एसी बस, ठहरने और भोजन सहित पूरा खर्च वहन करेगी। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय सहायता, 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा और मुफ्त बिजली जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख करते हुए सरकार की ईमानदार कार्यशैली का दावा किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब की एकता, शांति और भाईचारा उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

मनरेगा से वीबी-जीआरएएमजी योजना में सुचारु बदलाव के लिए सभी इंतजाम पूरे, ग्रामीण रोजगार प्रभावित नहीं होगा: तरुणप्रीत सिंह सोंद

चंडीगढ़, 19 जुलाई:पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद ने कहा कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से नई वीबी-जीआरएएमजी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) योजना में सुचारु बदलाव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान ग्रामीण मजदूरों के रोजगार और विकास कार्यों की निरंतरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मंत्री ने बताया कि मनरेगा योजना 30 जून 2026 तक लागू रही, जबकि 1 जुलाई 2026 से वीबी-जीआरएएमजी योजना लागू हो गई है। पहले मनरेगा के तहत मजदूरी का पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करती थी और सामग्री लागत 75:25 के अनुपात में केंद्र व राज्य साझा करते थे। नई योजना में मजदूरी, वेतन और सामग्री लागत 60:40 के अनुपात में केंद्र और राज्य सरकार साझा करेंगी। उन्होंने कहा कि नई योजना के तहत भी प्रत्येक पात्र व्यक्ति को रोजगार की वैधानिक गारंटी जारी रहेगी।

तरुणप्रीत सिंह सोंद ने स्पष्ट किया कि जिन श्रमिकों के पास वैध मनरेगा जॉब कार्ड हैं, उन्हें स्वतः ही वीबी-जीआरएएमजी योजना के तहत रोजगार मिलता रहेगा। साथ ही नए लाभार्थियों का पंजीकरण भी किया जाएगा। इसके लिए 21 जुलाई से राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में जॉब कार्ड पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे, जहां नए श्रमिकों का पंजीकरण और पुराने लाभार्थियों के रिकॉर्ड अपडेट किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत कराए जाने वाले विकास कार्यों की पहचान और स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है ताकि काम तुरंत शुरू हो सके। प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम सभाएं आयोजित कर स्थानीय लोगों की सहमति से अतिरिक्त विकास कार्यों की पहचान भी की जाएगी। सभी पंचायतों में मस्टर रोल जारी कर दिए गए हैं, जिससे पात्र श्रमिक आवेदन कर तुरंत काम शुरू कर सकेंगे। श्रमिकों की उपस्थिति विशेष सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी।

मंत्री ने कहा कि संक्रमण काल में सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। पहले करीब 1,200 ग्राम रोजगार सहायकों (GRS) पर मस्टर रोल जारी करने और उपस्थिति दर्ज करने की जिम्मेदारी थी। अब ग्रामीण विकास विभाग की अन्य योजनाओं के लगभग 4,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग के जूनियर इंजीनियरों को तकनीकी सहायक का दायित्व दिया गया है, जबकि ब्लॉक स्तर पर अतिरिक्त कर्मचारियों की भी तैनाती की गई है।

पंजाब के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने नीट-यूजी 2026 पास किया, दो वर्षों में सफलता दोगुनी: हरजोत सिंह बैंस

चंडीगढ़, 19 जुलाई:पंजाब के सरकारी स्कूलों ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य के 882 विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) 2026 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। इस वर्ष पेपर लीक के कारण पहली परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा आयोजित किए जाने के बावजूद विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पंजाब में चल रही "शिक्षा क्रांति" और सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बढ़ते स्तर का प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में 437, 2025 में 847 और 2026 में 882 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है। केवल दो वर्षों में यह संख्या 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है, जो सरकारी शिक्षा व्यवस्था में हुए सकारात्मक बदलाव को दर्शाती है। बैंस ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम मानते हुए लगातार निवेश कर रही है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि उन्हें सही मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और अनुकूल वातावरण मिले तो वे किसी भी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विद्यार्थियों को मेंटरशिप, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस वर्ष की सफलता की प्रेरणादायक कहानियों में स्कूल ऑफ एमिनेंस, सेखेवाल (लुधियाना) के विद्यार्थी प्रतीक कुमार का नाम प्रमुख है। एक निजी स्कूल शिक्षक के बेटे प्रतीक के पिता की मासिक आय मात्र 16 हजार रुपये है। आर्थिक सीमाओं के बावजूद प्रतीक ने 720 में से 594 अंक प्राप्त कर नीट-यूजी 2026 उत्तीर्ण किया। उसने पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के 'PACE' कार्यक्रम के तहत उपलब्ध कराई गई निःशुल्क ऑनलाइन कक्षाओं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और मॉक टेस्टों की सहायता से परीक्षा की तैयारी की। प्रतीक का सपना भविष्य में ऑन्कोलॉजिस्ट बनकर कैंसर मरीजों की सेवा करना है।

SQUARENET
Innovation & Excellence

Microsoft Solutions Partner | Google Cloud Partner | aws partner network

Zoho Mail | Google Workspace | Microsoft 365

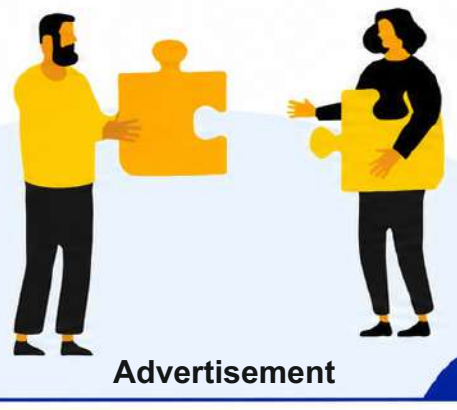

Are you looking for a reliable
EMAIL SERVICE PROVIDER?
Choose the best suitable plan for your business from SquareNet

Secure & Reliable | Professional Email | Cloud Integration | 24/7 Expert Support | Scalable for Every Business

Advertisement

Empower Your Business with Secure, Professional & Scalable Email Solutions

SQUARENET INDIA PRIVATE LIMITED
C-6, Sebiz Square, IT Park, Sector 67,
Mohali 160062, Punjab India

www.squarenetindia.com
mail@squarenetsolutions.com

+91-904-101-2541
[PRI LINE]

herbegy™
Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.